

3/18

कावनी पोत्रा दुई / वादीगण व अन्ना वनीन उपाल्पित गर्छे /
वाह-२ इत्यदि जगति रहे । कोरि उपाल्पित गर्छे । वादीगण
व इत्यदि वनीन की उपुपाल्पितो में वाह उपुत्र सिगरी व
इत्यदि में स्वार्थो लिखा जासा है । कावनी कोरि
अन्ना एवम् इत्यदि होना हो तथा वाह वनीन कोरि
जोका वाहोत है । Cup